पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.)/084/2012-14 (1) इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

स्वामी दीक्षानन्द स्मृति दिवस

रविवार 13 मई 2012

सायं 3:30 से 7:15 बजे तक

स्थान: हिन्दी भवन, आई. टी. ओ.

नई दिल्ली-110002

मुख्य वक्ता: डॉ. वागीश आचार्य

दर्शन अग्निहोत्री — अध्यक्ष

डॉ. अनिल आर्य — संयोजक

अग्निहोत्री धर्मार्थ ट्रस्ट

वर्ष-28 अंक-23 ज्येष्ठ-2069 दयानन्दाब्द 189 1 मई से 15 मई 2012 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

E-mail : aryayouth@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

गाजियाबाद में त्रि दिवसीय जिला आर्य महासम्मेलन सम्पन्न

संस्कृत की रक्षा से ही वेदों की रक्षा होगी -आर्य नेता डा० अनिल आर्य का आह्वान

रविवार 29 अप्रैल 2012, आर्य समाज, गांधीनगर, गाजियाबाद में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, उत्तर प्रदेश की प्रांतीय बैठक के अध्यक्ष श्री वेद व्यास जी को सम्मानित करते डॉ. अनिल आर्य, साथ में श्री सुरेश आर्य, प्रवीण आर्य, श्री महेन्द्र भाई व शिशुपाल आर्य। द्वितीय चित्र मुरादनगर सम्मेलन में श्री बृज पाल तेवतिया को सम्मानित करते हुए श्री माया प्रकाश त्यागी व डॉ. अनिल आर्य, साथ में श्री हरप्रसाद पथिक, श्री श्रद्धानन्द शर्मा, श्री सत्यवीर चौधरी आदि।

मुरादनगर, दिनांक 27, 28, 29 अप्रैल 2012 को आर्य उप-प्रतिनिधि सभा गाजियाबाद एवं आर्य समाज मुरादनगर के संयुक्त तत्वावधान में त्रि दिवसीय आर्य महासम्मेलन का भव्य आयोजन विजय धर्मशाला विजय मंडी मेन रोड मुरादनगर में किया गया। सम्मेलन में गाजियाबाद व आस पास के क्षेत्रों से सैकडों आर्य जनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समारोह के विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने आह्वान किया कि संस्कृत की रक्षा से ही वेदों की रक्षा होगी संस्कृत हमारी पुरातन आर्य संस्कृति की नींव है। हमारा सभी वैदिक साहित्य, ग्रंथ संस्कृत में ही हैं। यदि नई युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति को जानेगी ही नही तो उस पर गर्व करना कैसे सीखेगी। डा. आर्य ने कहा कि केन्द्र सरकार की नीतियां संस्कृत व संस्कृति को हतोत्साहित करने वाली हैं। उन्होने कहा कि आज सरकारें मदरसों को और उर्दू भाषा को तो प्रोत्साहन दे रही हैं परन्तु संस्कृत की उपेक्षा की जा रही हैं। भाजपा नेता श्री बृजपाल तेवतिया ने कहा कि आज हिन्दू समाज को लगातार प्रताड़ित करने का एक षडयंत्र सा चल रहा है। समय की मांग है कि हिन्दू समाज को एक जुट होकर अपने अधिकारों की रक्षा के लिये संघर्ष करना होगा। जिला सभा के प्रधान श्री मायाप्रकाश त्यागी ने कहा कि वेद सब सत्य विद्याओं का पुस्तक है इसका पठन-पाठन, प्रचार-प्रसार करके ही इस सृष्टि के मूल ग्रंथ वेदों की रक्षा कर सकते हैं।

परिषद् के प्रान्तीय महामंत्री श्री प्रवीण आर्य ने कहा कि महर्षि दयानन्द के सिपाही ग्रामीण अंचलों में जाकर अपनी पुरातन भारतीय संस्कृति के प्रति स्नेह व सम्मान पैदा करेंगे। वेद सम्मेलन में महात्मा चैतन्य मुनि (हिमाचल प्रदेश), पं0 वीरेन्द्र शास्त्री (सहारनपुर), महाशय सहदेव बेधड़क, श्री श्रद्धानन्द शर्मा आदि ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महात्मा चैतन्य मुनि ने यज्ञ करवाकर किया। समारोह की अध्यक्षता स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी ने की व कुशल संचालन श्री सुरेन्द्र पाल सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला मंत्री नरेन्द्र आर्य, कोषाध्यक्ष सत्यवीर चौधरी, दिल्ली से श्री रामकुमार सिंह, नोएडा से कैप्टन अशोक गुलाटी, हरप्रसाद पथिक, गोपीचन्द वर्मा, आदेश गुप्ता, नरेश त्यागी, रविन्द्र आर्य आदि उपस्थित थे। जिला सम्मेलन का भव्य समापन रविवार 29/04/2012 को रात्रि राष्ट्रीय कवि सम्मेलन के साथ हुआ।

दक्षिण दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के तत्वावधान में आर्य समाज स्थापना दिवस सम्पन्न

आर्य समाज को अपने गौरवशाली अतीत को वापिस लाना होगा- डा. अनिल आर्य

रविवार, 15 अप्रैल 2012, आर्य समाज अमर कॉलोनी, नई दिल्ली में आयोजित कार्यकर्त्ता बैठक में सम्बोधित करते डॉ. अनिल आर्य, साथ में मण्डल के प्रधान श्री जितेन्द्र डावर, महामंत्री श्री चतर सिंह नागर, माता प्रभा ग्रोवर, राज चावला, महेन्द्र भाई, सत्यपाल सैनी आदि। दक्षिण दिल्ली की समस्त आर्य समाजों ने ग्रीष्मकालीन शिविरों को सफल बनाने का पूर्ण आश्वासन दिया। द्वितीय चित्र में दिनांक 22 अप्रैल 2012 को दक्षिण दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के तत्वावधान में आयोजित आर्य समाज स्थापना दिवस समारोह आर्य समाज, पूर्वी निजामुद्दीन, नई दिल्ली में सम्बोधित करते राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य, बायें मण्डल प्रधान श्री जितेन्द्र डावर व मन्च पर समारोह अध्यक्ष श्री राजेश मेहन्दीरता व स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती जी, समारोह का संचालन महामंत्री श्री चतर सिंह नागर ने किया।

वीर सावरकर का आर्य समाज के कार्यो में पूर्ण सहयोग

- खुशहाल चन्द्र आर्य

महर्षि दयानन्द ने अपने गुरूवर विरजानन्द को गुरू दक्षिणा के रूप में दिये गये वचनों के अनुसार वेद ज्ञान के लुप्त होने से विश्व में जो अज्ञान अन्धविश्वास व पाखंड फैला हुआ था, उसको समाप्त करने का अपने पूरे जीवन में प्रयास किया, इसके साथ ही उन्होंने हिन्दुओं में प्रचलित अनेक कुरीतियों व कुप्रथाओं जैसे बाल-वृद्ध विवाह, मृतक श्राद्ध, विधवा विवाह न करना, फलित ज्योतिष, भूत-प्रेत का भय गण्डा, डोरी ताबीज का प्रचलन, कर्म से न मानकर जन्म से जाति मानना, गंगा स्नान से मुक्ति आदि जो हिन्दू समाज को खाये जा रही थी, इनके ऊपर कुठाराघात किया जिससे काफी सफलता भी मिली। इनसे भी अधिक हानि कारक कुरीति जो थी, वह थी अपने ही हरिजन भाईयों को अछूत समझकर उनसे घृणा करना। जिससे वे अपना धर्म छोड़कर विधर्मी बनते जा रहे थे। उनको शुद्धि द्वारा पुनः अपने धर्म में लाने का मार्ग महर्षि ने बताया और आर्य समाज ने इसे क्रियात्मक रूप दिया जिससे हिन्दू समाज का बड़ा उपकार हुआ। इस उपकार का प्रभाव जितना वीर सावरकर पर पड़ा उतना शायद ही किसी दूसरे पर पड़ा हो। वीर सावरकर ने अपने जीवन भर इन कार्यो को किया और महर्षि दयानन्द और आर्य समाज का उपकार मानते हुए उनको पूर्ण सहयोग दिया। इसी आशय को लेखक ने श्री बड़ा बाजार कुमार सभा पुस्तकालय कोलकता द्वारा प्रकाशित स्वतंत्र वीर सावरकर की 185वी जयन्ती पर एक स्मारिका के कुछ अंश लेकर सुस्पष्ट करने का प्रयास किया है, जो इस भांति है।

जब वीर सावरकर अपने बड़े भाई बाबाराव सावरकर के साथ 2 मई 1921 ई. को कालापानी से भारत की ओर महाराजा जलयान से रवाना हुये और 6 मई को वह जहाज कलकता बन्दरगाह के किनारे लगा तो सबसे पहले उन दोनों भाईयो को अलीपुर जेल में रखा। तदुपरान्त सावरमती जेल में ले जाया गया। जहां से बाबाराव को 22 सितम्बर 1921 ई को स्वास्थ्य खराब होने से छोड़ दिया गया और सावरकर को रत्नागिरी जेल भेज दिया गया। जनता के दबाव से सावरकर को 9 जनवरी 1924 ई. को रत्नागिरी जेल से निम्नलिखित शर्त्तो पर रिहा किया गया।

(1) सावरकर रत्नागिरी जिले में ही स्थान वद्व रहेंगे। बाहर जाने के लिये सरकार से अनुमति लेनी पड़ेगी।

(2) सावरकर अगले पांच वर्ष तक राजनीति में भाग नहीं ले सकेंगे।

इन शर्तो पर सावरकर अपने छोटे भाई डॉ. नारायण राव के साथ रत्नागिरी में ही रहने लगे। बड़े भाई बाबाराव की प्रेरणा से इन्होंने रत्नागिरी में हिन्दू महा सभा की स्थापना की और फिर पूरे जिले में धूम-धूम कर हिन्दू महासभा का ऐसा प्रचार किया कि लोगों के हृदय में धर्म एवं हिन्दू संस्कृति के प्रति निष्ठा उत्पन्न हो गई। सावरकर ने शुद्धि यज्ञ एवं अछूतोद्वार का बिगुल बजा दिया। ईसाईयों एवं मुसलमानों द्वारा हिन्दुओं का धर्म परिवर्त्तन कराये जाने पर इनका हिन्दू हृदय संतप्त हो उठा था। प्रत्युत्तर में उन्होंने सैकड़ो ईसाईयों एवं मुसलमानों को शुद्ध करके पुनः वैदिक धर्म में दीक्षित कर लिया। इन्होंने अछूतों की एक सभा में भाषण देते हुए कहा कि हरिजन हिन्दू जाति के अटूट अंग है। आज जो हरिजनों को हिन्दुत्व से च्युत करने का षड्यंत्र रचा जा रहा है, उसे कदापि सहन नहीं किया जायेगा। रत्नागिरी से स्थान बद्व होते हुए भी उन्होंने शुद्धि एवं हिन्दू संगठन का कार्य जोर-शोर से किया। किन्तु इधर स्वामी श्रद्धानन्द जो उत्तर भारत में शुद्धि एवं हिन्दू संगठन का शंखनाद कर रहे थे उनकी 23 दिसम्बर 1926 ई को हत्या कर दी गई। इसका सावरकर जी के मन पर काफी प्रभाव पड़ा एवं जिस भांति इन्होंने हुतात्मा चोपकर बन्धुओं की फांसी के उपरान्त अपनी बाल्यावस्था में स्वतंत्रता के लिये रण करते-करते मर मिटने का जुझारू संकल्प किया था, उसी भांति स्वामी जी के बलिदान के उपरान्त भी इन्होंने एक संकल्प ग्रहण किया, यह था शुद्धि एवं हिन्दू संगठन का संकल्प। स्वामी जी का बलिदान उन्हें प्रेरित करता रहा। सन 1966 ई में मृत्यु समय तक अर्थात 40 वर्ष तक अपने इस संकल्प को गतिमान बनाये रखने का व्रत निभाते रहे। उन्होंने अपने मृत्यु पत्र (वसीयत) में यह व्यवस्था की कि मेरी मृत्यु के उपरान्त मेरी धनराशि में से पांच हजार रूपये शुद्धि कार्य के लिए लगाये जाये। सावरकर जी ने स्वामी श्रद्धानन्द के निधन पर रत्नागिरी में एक शोक सभा आयोजित की। इनकी प्रेरणा से इन दोनों भाईयो ने 10 जनवरी 1926 ई. को स्वामी जी की स्मृति में बम्बई में श्रद्धानन्द नामक एक साप्ताहिक पत्रिका का प्रकाशन भी आरंभ किया। उन्होंने श्रद्धानन्द की हत्या शीर्षक से एक लेख भी लिखा जो उन दिनों चर्चा का विषय बना रहा।

सावरकर जी से ही प्रेरणा प्राप्त कर स्वामी मसूरकर जी ने गोआ जाकर पुर्तगालियों द्वारा ईसाई बनाये गये हजारों हिन्दुओं को पुनः शुद्ध करके हिन्दू धर्म में दीक्षित किया। इस कार्य से गोआ में खलबली मच गई और पुर्तगाली सरकार ने उनको गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया। स्वामी जी की गिरफ्तारी का समाचार जानकर सावरकर जी को बड़ा दुःख हुआ और उन्होंने एक हजार रूपये इकट्ठा कर स्वामी जी की सहायतार्थ भिजवायें एवं हिन्दू महासभा के नेता डॉ. मूंज और श्री केतकर को गोआ भेजकर स्वामी जी की रिहाई करवाई। एक जगह सावरकर जी ने स्पष्ट कहा कि पहले हिन्दुओं का ईसाई बनाना बंद किया जाए तब फिर शुद्धि कार्य को बंद करने का विचार किया जा सकता है। सन् 1927 में रत्नागिरी में जब गांधी जी सावरकर जी से मिलने आये, गांधी जी ने उनसे शुद्धि कार्य का विरोध किया तब सावरकर जी ने स्पष्ट कह दिया कि जब तक मुसलमान बनायेंगे तब तक हिन्दुओं का उनके स्वधर्म का परिचय करवा कर उनको पुनः धर्म में लाना एक राष्ट्रीय काम है।

सावरकर जी के राजनीति में भाग न ले सकने के कारण उन्होंने सामाजिक समता पर जोर दिया। रत्नागिरी के पतित पावन मन्दिर के द्वार सबके लिए खोल दिया जाने पर इनकी अध्यक्षता में फरवरी 1931 ई को पिछड़ी जातियों की एक सभा वहां की गई एवं सामाजिक समता के बारे में विचार प्रकट किये गये। 26 अप्रैल 1931 ई. को रत्नागिरी जिले के सोमवंशीय महारों की एक सभा इनकी अध्यक्षता में की गई। जिसमें जिले भर के महार एकत्रित हुये और पतित पावन मंदिर के दर्शन किये। सावरकर जी चाहते थे कि इस समय डॉ. अम्बेडकर उपस्थित रहे और वे ही इसकी घोषणा करें, पर डॉ. अम्बेडकर अन्य जगह के कार्यक्रम में व्यस्त होने के कारण आ नहीं सके। किन्तु उन्होंने इस कार्य की भूरि भूरि प्रशंसा की।

हैदराबाद के निजाम द्वारा किये गये अत्याचारों से वहां की जनता आर्तनाद कर रही थी। फलतः आर्य समाज ने शोलापुर में निजाम के अत्याचारों का प्रतिकार करने के लिये आर्य महा सम्मेलन का आयोजन किया जिसके अध्यक्ष थे श्री बापू जी आणे एवं संयोजक थे महात्मा नारायण स्वामी। सावरकर जी तुरन्त शोलापुर पहुंचे और उन्होंने सम्मेलन में घोषणा की कि आर्य समाज हैदराबाद आन्दोलन में अपने को अकेला न समझे। हिन्दू महासभा अपनी सम्पूर्ण शक्ति आर्य समाज के साथ लगाकर निजाम की हिन्दू विरोधी नीति, कार्य कलापों को चकनाचूर करके ही दम लेगी। उन्होंने 22 जनवरी 1939 ई को समस्त देश में निजाम निषेध दिवस मनाने की प्रेरणा भी दी। वीर सावरकर की प्रेरणा पर सनातन धर्मी विचारधारा के सभी अनेक व्यक्ति हैदराबाद आन्दोलन में जेल गये। पूना जाकर उन्होंने हिन्दू महासभा का विशाल जत्था हैदराबाद भिजवाया। हैदराबाद के सत्याग्रह में अनेक लोग शहीद हुए। उनका बलिदान रंग लाया और 29 जुलाई 1939 ई. को निजाम सरकार को आर्य समाज के सामने हथियार डालने पड़े।

सन् 1944 में जब कराची में हुये मुस्लिम लीग के अधिवेशन ने आर्य समाज के अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश के चौदहवें समुल्लास को इस्लाम धर्म के विरूद्ध बताते हुए जब्त करने का प्रस्ताव पास किया। जिसे सिन्ध की मुस्लिम मंत्री मंडल ने स्वीकार कर लिया तब इसके विरोध में सम्मेलन हुये और वायसराय को तार भेजे गये। भाई परमानन्द जी ने केन्द्रीय असेम्बली में सिन्ध सरकार की बड़ी भर्त्सना करते हुए कहा कि कुरान में प्रत्येक शब्द ही हिन्दुओं के विरूद्ध पड़ता है अतः समस्त कुरान को ही जब्त क्यों न किया जाये? सावरकर जी ने एक सार्वजनिक सभा में कहा कि जब तक सिंध में सत्यार्थ प्रकाश पर पाबंदी लगी रहेगी तब तक कांग्रेस शासित प्रदेशों में कुरान पर प्रतिबंध लगने की मांग करनी चाहिए। सावरकर जी ने वायसराय एवं सिंध के गवर्नर को तार देकर कहा कि सिध सरकार द्वारा सत्यार्थप्रकाश पर प्रतिबंध लगाये जाने से साम्प्रदायिक वैमनस्य उत्पन्न होगा। हिन्दू भी कुरान पर प्रतिबंध लगाने की मांग करेंगे। अतः इस प्रतिबंध को अविलम्ब रद्द कर दें। 27 नवम्बर 1944 ई. को सावरकर जी ने वायसराय से भेंट की और प्रतिबंध हटाने की मांग की। सब प्रयत्नों के फलस्वरूप सिंध सरकार को प्रतिबंध हटाना पड़ा।

एक अवसर पर सावरकर जी ने कहा कि हिन्दू अगर शुद्धि कार्य को पहले अपना लेते तो आज कश्मीर और गोआ की समस्या नहीं रहती। कश्मीर के मुसलमान पहले हिन्दू ही थे, उन्होंने कश्मीर के महाराजा से प्रार्थना की थी कि उन्हें हिन्दू बना लिया जावे। किन्तु परम्परावादी हिन्दूओं ने ही इसका विरोध किया जबकि महाराजा हरि सिंह उन्हें हिन्दू बनाने के इच्छुक थे। आज इसी का परिणाम है कि कश्मीर में मुस्लिम समस्या मुंह बाए खड़ी हैं। अगर हिन्दुओं ने विदेशी मिशनरियों द्वारा किये गये धर्मान्तरण के बराबर का समय शुद्धि में दे दिया होता तो कुछ ही वर्षो में सच्चे अर्थ में हिन्दू राष्ट्र स्थापित हो जाता।

ऊपर लिखे कथन से स्पष्ट हो जाता है कि वीर सावरकर के ऊपर महर्षि दयानन्द आर्य समाज और सत्यार्थ प्रकाश की कितनी गहरी छाप पड़ी हुई थी। छाप क्यों न पड़े? इनके गुरू श्री श्याम कृष्ण वर्मा जो महर्षि दयानन्द के पक्के शिष्य थे और वर्मा जी लन्दन स्वामी जी की प्रेरणा से ही गये थे और वहां जाकर भारतीय क्रान्तिकारियों को आश्रय देंने के लिये उन्होंने 1906 में इण्डिया हाउस की स्थापना की और उसी में वीर सावरकर ने रहकर क्रान्तिकारी गतिविधियां चलाई और सन् 1908 में वर्मा जी के फ्रांस चले जाने पर वीर सावरकर ने ही उस इण्डिया हाउस को संभाला। यही रहकर मदन लाल ढींगरा ने कर्नल वायली तथा सरदार उधमसिंह ने माईकलओ डायर को गोली का शिकार बनाया था। इतना ही क्यों लाला लाजपतराय, भाई परमानन्द, लाला हर दयाल एमए जो पक्के आर्य समाजी थे, इनके सम्पर्क में भी सावरकर जी बहुत अधिक समय तक रहे। भाई परमानन्द और वीर सावरकर तो अण्डमान की काल कोठरी में कई वर्षो तक साथ रहे इसलिए वीर सावरकर के ऊपर आर्य समाज का प्रभाव पड़ना तो स्वाभाविक ही था।

-180, महात्मा गांधी मार्ग, 2-तल्ला, कोलकता

'शिवाजी और सुराज' पुस्तक का लोकार्पण

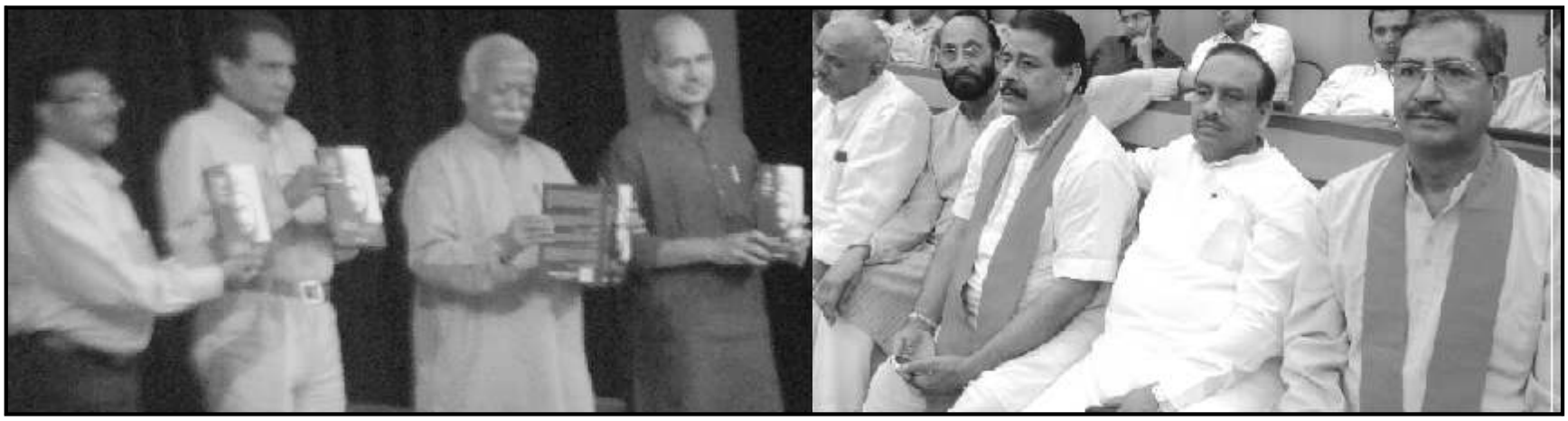

रविवार 29 अप्रैल 2012, नई दिल्ली स्थित एन.डी.एम.सी. सभागार में आयोजित समारोह में मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद श्री अनिल माधव दवे की पुस्तक 'शिवाजी और सुराज' का लोकार्पण करते रा. स्व. सेवक संघ के सरसंघचालक मा. मोहनराव भागवत जी। पुस्तक लोकार्पण समारोह में मा. मोहन राव भागवत जी के अतिरिक्त सहसरकार्यवाह श्री सुरेश जी सोनी, श्री लाल कृष्ण आडवाणी, डॉ. मुरलीमनोहर जोशी, श्रीमती सुषमा स्वराज, डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा, डा. रमेश पोखरियाल निशंक, श्री सुरेश प्रभु, श्री करण सिंह तंवर, श्री मांगे राम गर्ग, श्री सुभाष आर्य, श्री श्याम लाल गर्ग, श्री दीनानाथ बत्रा आदि उपस्थित थे। द्वितीय चित्र में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री बिजेन्द्र गुप्ता, डा. अनिल आर्य, श्री महेन्द्र भाई, कै. अशोक गुलाटी बैठे हुए दिखाई दे रहे है।

आर्य समाजों के निर्वाचन

1. आर्य समाज, टैगोर गार्डन विस्तार, दिल्ली के चुनाव में श्री वासुदेव भाटिया-संरक्षक, श्री हरीश तनेजा-प्रधान, श्री लाजपत राय आहूजा-मंत्री, श्री रमेश आर्य-कोषाध्यक्ष एवं श्रीमती प्रेम लता गुप्ता-प्रधाना, श्रीमती राधा आर्य-मन्त्रिणी एवं श्रीमती सरला-कोषाध्यक्षा चुने गए।

2. आर्य समाज, सज्जन नगर, उदयपुर के चुनाव में श्री हुकमचन्द शास्त्री-प्रधान, श्री सौरभ देव आर्य-मंत्री व श्री श्याम बाबू दीक्षित-कोषाध्यक्ष चुने गए।

3. आर्य उप प्रतिनिधि सभा, उधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड के चुनाव में डॉ. विश्व मित्र शास्त्री-प्रधान, श्री विनीत कुमार पाठक-मंत्री, श्री सुभाष चन्द्र आर्य-कोषाध्यक्ष चुने गए।

टंकारा को रेल मार्ग से जोड़ो

हरियाणा से राज्यसभा सांसद डा. राम प्रकाश ने गत् 22 मार्च 2012 को राज्य सभा में रेलवे बजट पर चर्चा के अवसर पर महर्षि दयानन्द के जन्म स्थान टंकारा को रेल मार्ग से जोड़ने व ट्रेन का नामकरण महर्षि दयानन्द के नाम पर करने की जोरदार मांग की।

आशा है यह प्रयास शीघ्र फलीभूत होगा, कुपया सभी आर्य समाज/आर्यजन भी प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, रेलमंत्री को इस मांग के समर्थन में पत्र लिखें। **-डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार**

गुरूकुल होशंगाबाद में दर्शन शास्त्र का पठन-पाठन

आर्ष गुरूकुल महाविद्यालय होशंगाबाद (म.प्र.) में दिनांक 11-25 जून 2012 को पन्द्रह दिवसीय वैशेषिक व योग दर्शन के पठन-पाठन का प्रशिक्षण दर्शनशास्त्र के मर्मज्ञ डॉ. सुघुम्न आचार्य (सतना) के निर्देशन में हो रहा है। दर्शन पढ़ने के इच्छुक जन सम्मिलित हो लाभ उठा सकते हैं। व्यवस्था पूर्ण निःशुल्क है। सम्पर्क:- 09827513029, 9424471288

आर्य समाज भीम नगर गुड़गांव

आर्य समाज भीम नगर, गुड़गांव की ओर से 36वें गायत्री महायज्ञ का आयोजन दिनांक 6 मई से 13 मई 2012 तक रामलीला मैदान भीम नगर गुड़गांव में किया गया है जिसमें डॉ. सोमदेव जी शास्त्री, डॉ. वागीश आचार्य जी, डॉ. वेद प्रताप वैदिक, श्री रासा सिंह जी-पूर्व सांसद, डॉ. महेश विद्यालंकार, डॉ. सुरेन्द्र आर्य, भजनोपदेशक श्री योगेश दत्त जी पधार रहे हैं। दिनांक 13/05/2012 को 21 कुण्डीय यज्ञ के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

-अशोक आर्य, प्रधान

जहां नहीं होता कभी विश्राम || ओ३म् || आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

युवा शक्ति को चरित्रवान, देशभक्त, ईश्वर भक्त, संस्कारवान बनाने का अभियान

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत)

के तत्वावधान में

विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास शिविर

बलमुपास्व

दिनांक : शनिवार, 9 जून से रविवार, 17 जून 2012 तक

स्थान : ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल, सेक्टर - 7, पुष्प विहार (साकेत), नई दिल्ली (निकट मेट्रो स्टेशन मालवीय नगर)

(1) कक्षा 6 से 12 वीं तक के युवक भाग ले सकेंगे (2) इच्छुक युवक 150 रु शिविर प्रवेश शुल्क सहित अपना स्थान आरक्षित करवा लें। सम्पर्क : श्री रामकुमार सिंह - 9868064422, श्री संतोष शास्त्री - 9868754140

2. दिल्ली आर्य कन्या शिविर
दिनांक 20 मई से 27 मई 2012 तक
स्थान : आर्य समाज, पुराना राजेन्द्र नगर,नई दिल्ली-60
सम्पर्क: श्रीमती प्रभा सेठी : फोन - 9871601122,
श्रीमती अर्चना पुष्करना, फोन - 9899555280
श्रीमती आदर्श सहगल - 9266101941

3. एटा आर्य युवक शिविर
दिनांक 21 मई से 27 मई 2012 तक
स्थान : प्राइमरी स्कूल, ग्राम लंगुटिया, दानौली,एटा, उ0प्र
सम्पर्क : श्री यशवीर चौहान - 09810493055
श्री प्रवीन आर्य - 9911404423

4. राजस्थान युवक निर्माण शिविर
दिनांक 27 मई से 3 जून 2012 तक
स्थान : डी0 बी0 एम0 पब्लिक स्कूल नारनौल रोड बहरोड, जिला अलवर, राजस्थान
सम्पर्क : श्री रामकृष्ण शास्त्री,
फोन : 09461405709

5. झारखण्ड आर्य कन्या शिविर
दिनांक 3 जून से 10 जून 2012 तक
स्थान : आर्य कन्या गुरूकुल, आर्य समाज, नवाबगंज हजारीबाग, झारखण्ड
सम्पर्क :- श्री कृष्ण प्रसाद कौटिल्य
फोन : 09430309525, 09835140710

6. सोनीपत आर्य कन्या शिविर
सान्निध्य : श्री वीरसेन सैनी जी
दिनांक 11 जून से 17 जून 2012 तक
स्थान : दिल्ली विद्यापीठ, बेबड़ रोड, सोनीपत (हरियाणा)
सम्पर्क : श्री मनोहरलाल चावला, फोन : 09813514699
श्री हरिचन्द स्नेही - 09416693290

7. पलवल युवक निर्माण शिविर
दिनांक 11 जून से 17 जून 2012 तक
स्थान : आर्य समाज, जवाहर नगर (कैम्प),पलवल
सम्पर्क : स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती, फोन : 9416267482
प्रो0 जयप्रकाश आर्य - 09813491919

8. फरीदाबाद युवक निर्माण शिविर
दिनांक 17 जून से 24 जून 2012 तक
स्थान : ग्रीन फील्ड प. स्कूल, ग्राम सुनपेड, बल्लभगढ़ फरीदाबाद (हरियाणा)
सम्पर्क : श्री जितेन्द्र सिंह आर्य, फोन : 9210038065
श्री विजयभूषण आर्य : 9810991993

9. करनाल युवक चरित्र निर्माण शिविर
दिनांक 20 जून से 24 जून 2012 तक
स्थान : आर्य समाज, प्रेम नगर, करनाल, हरियाणा
सम्पर्क : श्री स्वतंत्र कुकरेजा - 09813041360
श्री हरेन्द्र चौधरी - 09541555000

आर्य युवा शक्ति का उत्साह वर्धन करने के लिए सभी शिविरों के उद्घाटन एवं 'समापन समारोह' के अवसर पर सपरिवार दल बल सहित पहुंचकर आशीर्वाद प्रदान करें

राष्ट्र निर्माण के कार्य में आपका तन-मन-धन से सहयोग अपेक्षित है

निवेदक

डा0 अनिल आर्य	यशोवीर आर्य	महेन्द्र भाई	धर्मपालआर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
9810117464	9312223472	9013137070	9871581398

केन्द्रीय कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली -110007
Email : aryayouth@gmail.com • Website : www.aryayuvakparishad.com
join - http://www.facebook.com/group/aryayouth • aryayouthgroup@yahoogroups.com

दानी महानुभावों से अपील:- समस्त आर्य समाजों व दानी महानुभावों से अपील है कि शिविर के रचनात्मक कार्यो हेतु चलने वाले विशाल ऋषि लंगर के लिए आटा, दाल, चावल, चीनी, रिफाइण्ड, घी, मसाले, रूह अफजा, सब्जी, दूध पाउडर आदि से सहयोग देकर पुण्य के भागी बनें। कृप्या समस्त धन राशि " केन्द्रीय आर्य युवक परिषद, दिल्ली" के नाम से क्रॉस चैक/ड्राफ्ट द्वारा कार्यालय के पते पर भिजवाने की कृपा करे।

आर्य समाज सरस्वती विहार व आर्य समाज शालीमार बाग में बैठक सम्पन्न

रविवार, 15 अप्रैल 2012, परिषद् के शिविरों की तैयारी हेतु उत्तर पश्चिमी दिल्ली मण्डल की बैठक आर्य समाज सरस्वती विहार, दिल्ली में सम्पन्न हुई। चित्र में समाज के प्रधान श्री ओम प्रकाश मनचन्दा को सम्मानित करते हुए डा. अनिल आर्य, साथ में श्री दुर्गेश आर्य, दुर्गा प्रसाद कालरा, श्री चमनलाल महेन्दु, सुरेश आर्य व मंत्री श्री अरूण आर्य। द्वितीय चित्र रविवार, 22 अप्रैल 2012 को आर्य समाज शालीमार बाग (पश्चिमी) दिल्ली में आयोजित बैठक में कश्मीरी लेखक व साहित्यकार प्रो. चमन लाल सप्रु को सम्मानित करते डॉ. ओम प्रकाश मान व डा. अनिल आर्य, साथ श्री सोम पाल शास्त्री, सुदेश भगत, डा. धर्मपाल आर्य व श्री देवेन्द्र भगत।

आर्य समाज मॉडल बस्ती व आर्य समाज पश्चिम विहार का वार्षिक उत्सव सम्पन्न

आर्य समाज मॉडल बस्ती, दिल्ली का वार्षिक उत्सव दिनांक 27, 28, 29 अप्रैल 2012 को सौल्लास सम्पन्न हुआ। पं. नरेश दत्त आर्य के भजन हुए व पं. जय प्रकाश शास्त्री ने यज्ञ करवाया। उपरोक्त चित्र में डा. अनिल आर्य का स्वागत करते समाज के प्रधान श्री अमरनाथ गोगिया आदि। द्वितीय चित्र आर्य समाज पश्चिम विहार दिल्ली का वार्षिक उत्सव दिनांक 23 अप्रैल से 29 अप्रैल 2012 तक सम्पन्न हुआ। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य उर्षवबुध ने यज्ञ करवाया तथा पं. कंचन कुमार के भजन हुए। उपरोक्त चित्र में मंच पर डा. अनिल आर्य, स्वामी धर्मेश्वरानन्द सरस्वती व मंच संचालन करते समाज के मंत्री श्री राजेन्द्र लाम्बा

आर्य समाज अशोक विहार का चुनाव व आर्य समाज रमेश नगर में बैठक सम्पन्न

रविवार 29 अप्रैल 2012 आर्य समाज, अशोक विहार-1, दिल्ली के चुनाव में श्री अविनाश कपूर प्रधान, श्री शान्ति लाल आर्य मंत्री व राजेश गुप्ता कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। इस अवसर पर डॉ. अनिल आर्य नवनिर्वाचित टीम को बधाई देते हुए। द्वितीय चित्र में आर्य समाज, रमेश नगर, दिल्ली में रविवार, 22 अप्रैल 2012 को आयोजित परिषद की बैठक को सम्बोधित करते श्री सुरेश नैय्यर (प्रधान, आर्य समाज, पंजाबी बाग एक्स.) साथ में कवि श्री भारतेन्द्र मासूम, डा. अनिल आर्य व नरेन्द्र सुमन (प्रधान, आर्य समाज, रमेश नगर)

आर्य समाज, विकास नगर, देहरादून

आर्य समाज, विकास नगर, देहरादून में दिनांक 5, 6, 7 अप्रैल 2012 को पं. जगत वर्मा की भजन संध्या का आयोजन किया गया। -धनंजय गुप्त, संयोजक

आर्य समाज, जवाहर नगर, पलवल

दिनांक 11 मार्च 2012 को आर्य समाज में 185 नेत्र रोगियों की जांच कर नि:शुल्क दवाई दी गई तथा 20 रोगियों के सफल नि:शुल्क ऑपरेशन किए गए। लायन्स क्लब डायमंड, पलवल तथा महावीर इन्टरनेशनल क्लब का पूरा सहयोग रहा। - जय प्रकाश आर्य , प्रधान

आर्य समाज, मुम्बई का स्थापना दिवस

महर्षि दयानन्द द्वारा स्थापित इस आर्य समाज में 23 मार्च 2012 को 138वां स्थापना दिवस मनाया गया। आचार्य डॉ. वागीश जी शर्मा के ब्रह्मत्व में यज्ञ सम्पन्न हुआ। ध्वजारोहण सभा प्रधान श्री मिठाई लाल सिंह जी ने किया। **- पं देवदत्त शर्मा**

आर्य समाज, प्रेम नगर, उधम सिंह नगर

आर्य समाज, रम्पुरा, किच्छा मार्ग, रूद्रपुर में नव वर्ष एवं शहीद भगत सिंह बलिदान दिवस मनाया गया। प. प्रभात कुमार, पं. रामपाल पञ्चाल, धर्मवेद आर्य, श्री डी.पी. यादव, श्री कालू राम यादव आदि उपस्थित थे।

शोक समाचार

1. श्रीमती कमला कपूर (धर्मपत्नी श्री अविनाश कपूर प्रधान, आर्य समाज अशोक विहार-1, दिल्ली) का निधन 26 अप्रैल 2012 को हो गया।
2. श्रीमती महेश कुमारी (बहिन श्री नरेन्द्र आर्य सुमन) का गत् दिनों निधन हो गया।
3. श्री तेजभान आर्य (प्रधान, आर्य समाज, महावीर नगर, दिल्ली) का गत् दिनों निधन हो गया।
4. श्री जोगेन्द्र पाल भाटिया (आर्य समाज, नोएडा) का निधन गत् दिनों हो गया।
5. श्रीमती निर्मलरानी सचदेव (आशापार्क) का निधन गत् 23/3/2012 को हो गया।

दिवंगत आत्माओं के प्रति विनम्र श्रंदाजलि -सम्पादक

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मयंक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548504 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9910649696, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970